पंचम पत्र : वेदांग : निरूक्त

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

यास्क : निरूक्त – सम्पूर्ण
दुर्ग भाष्य सहित 80 (100) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

षष्ठ पत्र : व्याकरण , शिक्षा तथा छन्द

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 सिद्धान्त कौमदी – वैदिकी प्रकिया 20 (25) अंक
2 सिद्धान्त कौमदी – स्वर प्रकरण 30 (35) अंक
3 वैदिक छन्द – पिंगल –छन्द : शास्त्र अथवा
ऋक्–प्रतिशाख्य, पटल 16 से 18 15 (20) अंक
4 याज्ञवल्क्य–शिक्षा 15 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

सप्तम पत्र : निबन्ध तथा व्युत्पति

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 निबन्ध : किसी वैदिक विषय से सम्बन्धित 40 (50) अंक
2 व्युत्पति –वैदिक व्याकरण ,स्वर,पदपाठ,
छन्द आदि के ज्ञान का परीक्षण 40 (50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

अष्टम पत्र – वैदिक साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100